2QS3RB

पाठ–19

दौड़

आज दौड़ का दिन था।

1

मूली, गाजर और मिरची दौड़ने को तैयार थे।

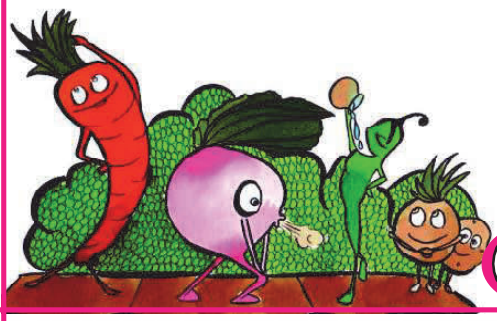

2

लौकी को देखकर सभी मजाक करने लगे।

3

लौकी बोली–"मैं ही जीतूँगी।" मुनगा ने कहा – "फैसला तो मुझे ही करना है।"

4

तभी तेज बारिश हुई। सभी कीचड़ में फिसले, गिरने लगे।

5

लौकी धीरे–धीरे आगे चली। वह दौड़ जीत गई।

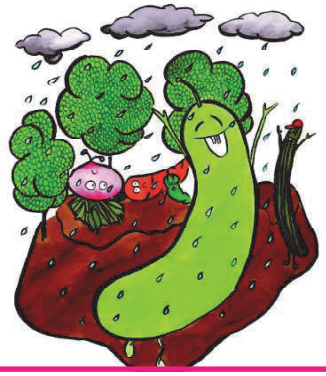

6

गतिविधि

1. दौड़ में जिन सब्जियों ने भाग लिया उनके चित्रों को पहचानकर उनके नाम अपनी मातृभाषा में लिखो–

_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____

2 लिखो –

क
छ
घ
ब
जो
पू

ड़ी

..... कड़ी .....

.....

.....

.....

.....

.....

3 पढ़ो –

मकड़ी–ककड़ी–लकड़ी

हमने तीन चीज़ें देखीं,
दादा तीन चीज़ें देखीं।

एक डाल पर थी इक मकड़ी,
लकड़ी पर बैठी थी मकड़ी,
मकड़ी खा रही थी ककड़ी।

लकड़ी, मकड़ी ककड़ी,
मकड़ी, ककड़ी, लकड़ी,
ककड़ी, लकड़ी, मकड़ी।

हमने तीन चीज़ें देखीं,
दादा तीन चीज़ें देखीं।

2R1YSY

एक खेत में थी कुछ बालू,
बालू पर बैठा था भालू,
भालू खा रहा था आलू।

बालू, भालू, आलू,
भालू, आलू, बालू,
आलू, बालू, भालू।